महाकुंभ विशेषांक (तृतीय)
www.railsamacharbureauald.com
सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

वर्ष-35 अंक-04 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 16-28 फरवरी 2025 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

''अद्भुत'' है केंद्रीय बजट – केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

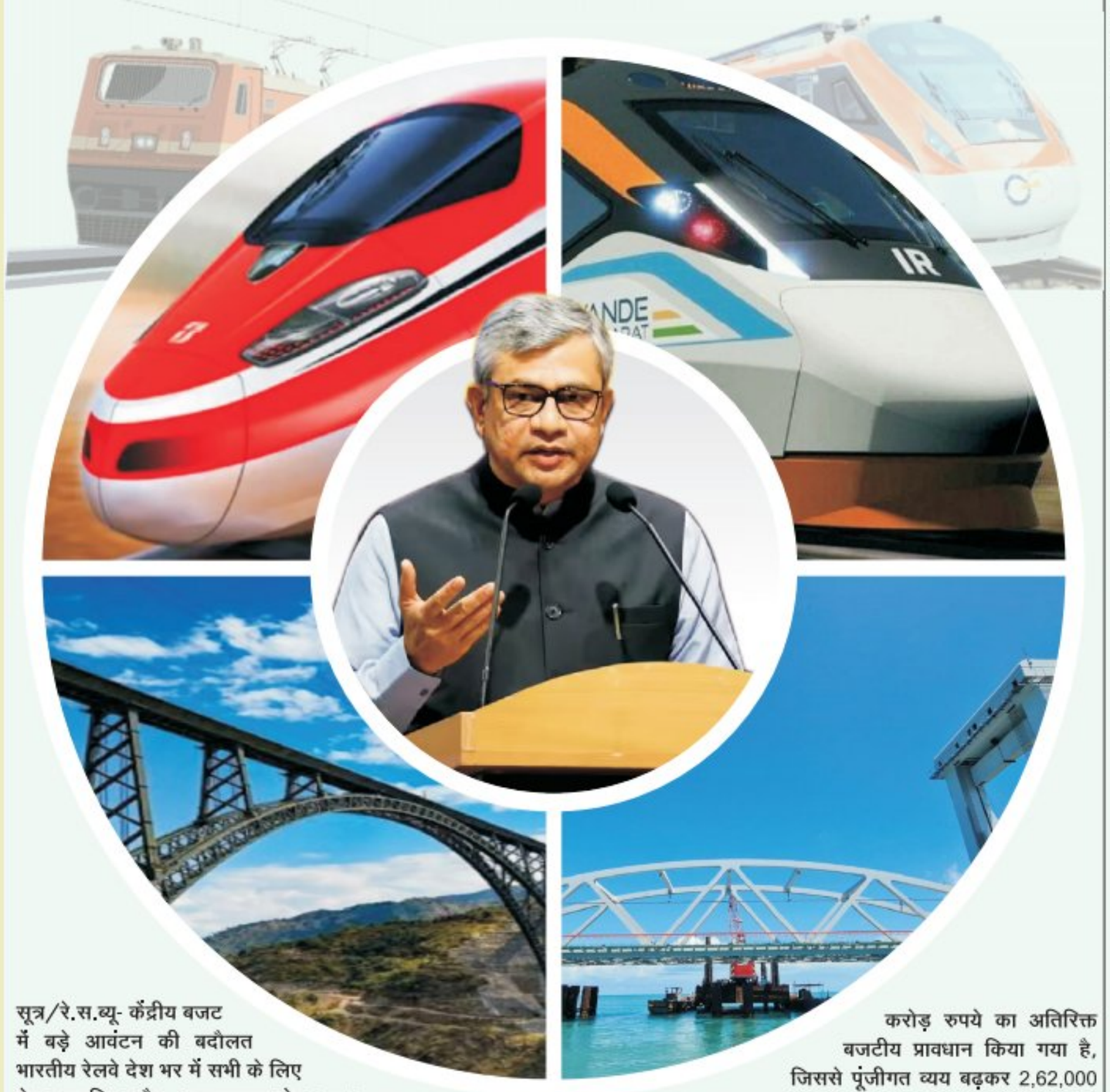

सुरक्षा पर जोर देते हुए रेलवे को लगातार बड़ी राशि आवंटित करने के लिए प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को धन्यवाद। श्री वैष्णव

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय बजट में बड़े आवंटन की बदौलत भारतीय रेलवे देश भर में सभी के लिए तेज, सुरक्षित और आरामदायक रेल यात्रा का विस्तार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अगले दो से तीन वर्षों में देश को 200 नई वंदे भारत ट्रेनें, 100 अमृत भारत ट्रेनें, 50 नमो भारत रैपिड रेल और 17,500 सामान्य नॉन एसी कोच मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय बजट को ''अद्भुत'' बताते हुए, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रेल मंत्रालय को 2,52,000 करोड़ रुपये की बड़ी धनराशि आवंटित करने के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि नई ट्रेनें और आधुनिक कोच निम्न और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होंगे। मंत्री जी ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत के लिए रोडमैप बताया। इस बजट में रेलवे की बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के लिए चार लाख साठ हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सुरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए इस बजट में भारतीय रेलवे की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक लाख सोलह हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बजट में न केवल निवेश के जरिए रोजगार सृजन पर ध्यान दिया गया है, बल्कि आयकर में राहत देकर मध्यम वर्ग को भी बड़ी राहत दी गई है। इससे पहले, भारतीय रेलवे को 2,52,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, इसके साथ ही 10,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजटीय प्रावधान किया गया है, जिससे पूंजीगत व्यय बढ़कर 2,62,000 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अतिरिक्त, निर्भया फंड से 200 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया है, और रेलवे अपने आंतरिक संसाधनों से अतिरिक्त 3,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। इस बजट में भारतीय रेलवे का शुद्ध राजस्व व्यय 3,02,100 करोड़ रुपये रखा गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान से अधिक है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि भारतीय रेलवे इस वित्त वर्ष के अंत तक 1.6 बिलियन टन कार्गो ढुलाई का आंकड़ा छूने के लिए तैयार है और भारत 2047 तक 250 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाली 7000 किलोमीटर लंबी हाई स्पीड रेल नेटवर्क स्थापित करने का लक्ष्य बना रहा है।

भारतीय रेलवे महाकुंभ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं के आने और वापसी को सुनिश्चित करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को लाने और उन्हें उनके घरों तक सुरक्षित वापस पहुंचाने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया में आई एक गलत रिपोर्ट का खंडन करते हुए बताया कि प्रयागराज क्षेत्र के आठ अलग-अलग स्टेशनों से लगभग 330 ट्रेनों ने 12 लाख 50 हजार यात्रियों को उनके घरों तक पहुंचाया। रेलवे इन स्टेशनों से सिर्फ 4 मिनट से अधिक समय में एक ट्रेन का संचालन सुनिश्चित कर रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को पवित्र स्नान के बाद इंतजार न करना पड़े। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार ने जोनल और डिवीजनल अधिकारियों के साथ बैठक में स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों से पूरी क्षमता से सेवा देने के प्रयासों को मीडिया में लाने को कहा। उन्होंने बताया कि प्रयागराज जंक्शन सहित सात अन्य स्टेशन पूरी तरह कार्यरत हैं। इनमें प्रयागराज छिवकी, नैनी, सूबेदारगंज, प्रयाग, फाफामऊ, रामबाग और झूसी शामिल हैं। एक पवित्र स्नान से दो दिन पूर्व और दो दिन बाद प्रयागराज संगम स्टेशन को बंद करना एक नियमित प्रक्रिया है, जो जिला प्रशासन के सुझाव पर किया जाता है। इससे पहले के स्नान में भी यह कदम उठाया गया था। 10 फरवरी, 2025 को दोपहर 3 बजे तक, प्रयागराज जंक्शन सहित आठ स्टेशनों से 201 से अधिक विशेष और नियमित ट्रेनें 9 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों को लेकर रवाना हो चुकी थीं। रेलवे ने सुनिश्चित किया कि महाकुंभ के दौरान सेवाओं का संचालन सुचारू रूप से होता रहे।

सदस्य (अवसंरचना) रेलवे बोर्ड ने प्रयागराज जंक्शन पर महाकुम्भ - 2025 के लिए की गयी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 06. 02. 2025 को सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड, श्री नवीन गुलाटी ने महाकुम्भ -2025 के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रयागराज जंक्शन पर प्लेटफार्म, कंट्रोल टावर, यात्री आश्रय एवं मेडिकल ऑब्जरवेशन रूम का निरीक्षण किया। सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड ने प्रयागराज जंक्शन पर सर्वप्रथम प्लेटफॉर्म का निरीक्षण कीया तत्पश्चात सुरक्षा प्रणाली और आपात स्थिति के लिए की गई तैयारियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान, एनडीआरएफ, रैपिड एक्शन टीम एवं क्विक रेस्पॉस टीम के कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी कार्यप्रणाली को देखा और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए एवं आपात स्थिति से निपटने के लिए रैपिड एक्शन टीम एवं क्विक रिस्पांस टीम और फायर फाइटिंग टीम की व्यवस्था की गयी है। आपात स्थिति के लिए सिविल लाइन साइड में फुट ओवर ब्रिज संख्या -3 के निकट एवं सिटी साइड में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट के निकट रैपिड एक्शन टीम टीम तैनात की गयी हैं। प्लेटफॉर्म पर यात्री सुविधाओं को देखने के बाद कंट्रोल टावर का निरीक्षण किया। मेला टॉवर से भीड़ नियंत्रण, गाड़ियों का आगमन-प्रस्थान, सिविल प्रशासन के साथ समन्वय, आपात स्थिति से निपटना, यात्रियों की सहायत इत्यादि जैसे कार्यों को किया जाता है। मेला टॉवर के सीसीटीवी कक्ष में प्रयागराज क्षेत्र के स्टेशनों और सिविल एरिया के सीधे प्रसारण को देखकर नियंत्रण और निर्देश की प्रणाली स्थापित की गयी है। कक्ष में तैनात कर्मचारियों से सीसीटीवी के विषय में जानकारी ली और बेहतर समन्वय और त्वरित कार्यप्रणाली के लिए आवश्यक निर्देश दिए। सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड ने निरीक्षण के अगले क्रम में मेडिकल ऑब्जरवेशन रूम का निरीक्षण किया और ऑब्जरवेशन रूम के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। प्रयागराज मण्डल के चिकित्सा विभाग ने महाकुंभ -2025 में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए 11 जनवरी, 2025 से 05 फरवरी, 2025 तक करीब 1 लाख श्रद्धालुओं को चिकित्सा सेवा प्रदान की। निरीक्षण के बढ़ते हुए क्रम में सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड ने सूबेदारगंज स्टेशन पर श्रद्धालुओं हेतु उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का भी अवलोकन किया। इसी क्रम में सदस्य (अवसंरचना), रेलवे बोर्ड ने महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेंद्र चंद्र जोशी से भी मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

भारतीय रेल इस पृथ्वी पर सबसे भव्य आध्यात्मिक समागम महाकुंभ 2025 के आयोजन में अपनी सफल एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ।

सूत्र/ रे.स.ब्यू- भारतीय रेल द्वारा महाकुंभ क्षेत्र के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर पिछले 03 वर्षों में विभिन्न यात्री सुविधाओं के उन्नयन हेतु ₹5,000 करोड़ की लागत बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिक प्रयास किया गया है ताकि सभी यात्रियों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। इसमें रेलवे स्टेशनों का उन्नयन, 13,000 से अधिक ट्रेनें चलाने की योजना और उन्नत भीड़ प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। भारतीय रेलवे इस भव्य आध्यात्मिक आयोजन को किस तरह से सुविधाजनक बना रहा है, इस पर एक नजर:

1. **महाकुंभ 2025 के लिए बड़ी संख्या में ट्रेनों का परिचालन –**

निर्बाध यात्रा के लिए ट्रेनों का डायवर्जन:

- यात्री आवागमन को प्राथमिकता देने के लिए सभी मालगाड़ियों को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) पर डायवर्ट किया गया है।
- शंटिंग संचालन से बचने के लिए दोनों तरफ ट्रेन सेट या इंजन के साथ 200 रेक तैनात किए गए हैं।

ट्रेन सेवाओं की अभूतपूर्व संख्या:

- 26 फरवरी 2025 तक 13,000 ट्रेनों के परिचालन की योजना बनाई गई थी, जिनमें से 16 फरवरी 2025 तक 12,583 ट्रेनें पहले ही चल चुकी हैं।

भारतीय रेलवे अधिकतम यात्री सेवा को संभाल रहा है:

- 13 जनवरी 2025 से, भारतीय रेलवे ने प्रयागराज कुंभ क्षेत्र में 3.09 करोड़ तीर्थयात्रियों को अपनी सेवाएं दी हैं।
- 17 फरवरी को 18.60 लाख यात्री और 16 फरवरी 2025 को 18.48 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जो पिछले दो दिनों में यात्रियों की सबसे अधिक आवाजाही में से एक है।
- **अन्य महत्वपूर्ण तिथियां जिस दिन बड़ी संख्या में यात्रियों ने ट्रेन सेवा का उपयोग किया:**
  - 15 फरवरी - 14.76 लाख यात्री
  - 10 और ११ जनवरी - 14 लाख से अधिक यात्री
  - 29 जनवरी - 27 लाख यात्री
  - 14 जनवरी - 13.87 लाख यात्री
  - 12 फरवरी - 17 लाख यात्री
  - 30 जनवरी - 17.57 लाख यात्री
  - 28 जनवरी - 14.15 लाख यात्री

2. **रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं**

भारी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही को समायोजित करने के लिए, भारतीय रेलवे ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

बुनियादी ढांचा का उन्नयन:

- ज्यादा भीड़ के प्रवाह को मैनेज करने हेतु 9 रेलवे स्टेशनों पर दूसरे प्रवेश द्वार का निर्माण।
- यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए 48 प्लेटफॉर्म एवं 21 फुट ओवर ब्रिज (FOB) का निर्माण।
- भारतीय रेलवे द्वारा व्यापक निगरानी प्रणाली के तहत प्रयागराज मेला क्षेत्र के नौ स्टेशनों पर 1,186 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।
- प्रतीक्षारत यात्रियों के प्रबंधन के लिए 23 स्थायी होल्डिंग क्षेत्र।
- प्रयागराज, नैनी, छिवकी और सूबेदारगंज जैसे प्रमुख स्टेशनों पर 12 भाषाओं में उद्घोषणाएं।

टिकटिंग सुविधाओं में विस्तार:

- टिकटिंग प्रक्रिया को बेहतर बनाने हेतु 151 मोबाइल यूटीएस टिकटिंग पॉइंट सहित 554 टिकटिंग व्यवस्थाएं।

2. **प्रमुख रेलवे बुनियादी ढाँचे में सुधार**

भारतीय रेलवे ने निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढाँचे में भारी निवेश किया है:

मुख्य रेलवे बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिए ₹3,700 करोड़ का निवेश, जिसमें शामिल हैं:

- बनारस-प्रयागराज रेल दोहरीकरण, जिसमें एक नया गंगा पुल भी शामिल है।
- फाफामऊ-जंघई रेल दोहरीकरण से रेल क्षमता में वृद्धि होगी।

सड़क और रेल गतिशीलता को बढ़ाने के लिए 21 नए रोड ओवर ब्रिज (ROB) और रोड अंडर ब्रिज (RUB)।

आसान यात्री नेविगेशन के लिए कलर-कोड प्रणाली: यात्रियों की आसान पहचान और दिशा-वार पृथक्करण के लिए यात्री आश्रय, होल्डिंग एरिया और टिकटों की कलर-कोडिंग की गई है:

- लाल - लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी
- नीला - डीडीयू, सासाराम, पटना
- पीला - मानिकपुर, झांसी, सतना, कटनी (मध्य प्रदेश क्षेत्र)
- हरा - कानपुर, आगरा, दिल्ली

4. **मजबूत सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन**

यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए, रेलवे अधिकारियों ने व्यापक सुरक्षा उपाय लागू किए हैं: कई स्तरों पर नियंत्रण कैंद्र स्थापित किए गए हैं:

- स्टेशन स्तर, डिवीजन स्तर, जोनल स्तर और रेलवे बोर्ड स्तर।

सुरक्षा तैनाती:

- 13,000 रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के जवान।
- 10,000 सरकारी रेलवे पुलिस (GRP) और अर्धसैनिक बल के जवानों को प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है।
- 3,000 से अधिक रनिंग स्टाफ को सुचारू ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए नियुक्त किया गया है।

भारतीय रेलवे यह सुनिश्चित कर रहा है कि लाखों श्रद्धालु सुरक्षित और आराम से यात्रा कर सकें। विशेष ट्रेनों के परिचालन एवं भीड़ नियंत्रण के उन्नत उपायों द्वारा भारतीय रेल दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम को कुशलतापूर्वक हैंडल कर रहा है।

सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर डीएम प्रयागराज ने दिया स्पष्टीकरण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से अफवाह फैली है कि प्रयागराज महाकुम्भ में भारी भीड़ को देखते हुए प्रदेश सरकार और मेला व जिला प्रशासन की ओर से मेले का एक्सटेंशन करते हुए इसे मार्च तक बढ़ा दिया गया है। प्रयागराज के डीएम रविंद्र मांदड़ ने ऐसी अफवाहों का सिरे से खंडन किया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह नितांत अफवाह है। महाकुम्भ मेले का जो शेड्यूल जारी होता है, वह मुहूर्त के हिसाब से जारी होता है और पहले से तय होता है। 26 फरवरी को निर्धारित तिथि पर ही महाकुम्भ का समापन होगा और तब तक जो भी श्रद्धालु आ रहे हैं, उन सभी के सुगम आवागमन को सुनिश्चित किया जा रहा है। मेले की डेट के एक्सटेंशन को लेकर सोशल मीडिया पर जारी अफवाहों पर डीएम ने स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर सभी श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की वह किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान ना दें, क्योंकि शासन और प्रशासन की तरफ से मेले की डेट के एक्सटेंशन का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी दिन शेष बचे हैं, इस दौरान लोगों के सुगम स्नान के प्रबंध किए जा रहे हैं। लोग संगम में स्नान करने के बाद वापस अपने गंतव्यों की ओर लौटें, इसका प्रबंध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक मैनेजमेंट हमारी प्रॉयरिटी है। इस पर हम लगातार काम कर रहे हैं। प्रयागराज के आम जनजीवन को बिना प्रभावित किए श्रद्धालुओं के आवागमन का बैलेंस बनाकर काम किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन को बंद किए जाने को लेकर डीएम ने कहा कि कोई रेलवे स्टेशन बिना पूर्व सूचना के बंद नहीं किया गया है। यह कोरी अफवाह है। उन्होंने कहा कि दारागंज में प्रयाग संगम स्टेशन पीक डेज पर हम पहले भी बंद करते आए हैं। चूंकि यह स्टेशन मेले से सटा हुआ है, इसलिए यहां ज्यादा भीड़ इकट्ठा न हो, इसलिए इसको स्थाई रूप से बंद किया गया है। इसके अतिरिक्त जितने भी हमारे स्टेशन हैं सभी ऑपरेशनल हैं और बड़ी संख्या में लोग वहां से आ और जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार और जिला प्रशासन के लिए एतिहासिक अवसर है। मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन पर हम सभी गतिविधियों को सामान्य रूप से संचालित कर रहे हैं। अभी तक किसी भी छात्र की परीक्षा नहीं छूटी है। पूर्व में भी हमने अपील की थी कि बोर्ड परीक्षा दे रहे सभी छात्र और पेरेंट्स निर्धारित समय से पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचें। सभी ने इस पर अमल किया है। सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड ने भी निर्णय लिया है कि यदि किसी का एग्जाम छूटता है तो छात्र को परीक्षा के अंत में एक और अवसर प्राप्त हो सकेगा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में मृतक, गंभीर रूप से घायल और मामूली रूप से घायल यात्रियों के परिजनों को अनुग्रह राशि और मुआवजा दिया गया।

रेलवे कर्मी सभी 18 मृतकों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए

सूत्र/रे.स.ब्यू- नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की दुखद घटना के एक दिन बाद, उत्तर रेलवे ने आने वाले दिनों में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए कई उपाय लागू किए हैं। यह निर्णय लिया गया है कि प्रयागराज की ओर जाने वाली सभी विशेष रेलगाड़ियां प्लेटफॉर्म नंबर 16 से चलाई जाएंगी। इसलिए प्रयागराज जाने के इच्छुक सभी यात्री नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट की ओर से आएंगे और जाएंगे। सभी प्लेटफार्म से नियमित रेलगाड़ियों का संचालन यथावत जारी रहेगा। यह अत्यधिक भीड़ (पीक आवर की भीड़) को एक प्लेटफॉर्म पर जमा होने से बचाने की दिशा में कदम है। इसके अलावा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। ये कर्मी यात्रियों को उस प्लेटफॉर्म की ओर जाने के लिए मार्गदर्शन करने में मदद कर रहे हैं जहां से उनकी ट्रेन प्रस्थान करने वाली है। भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए, भारतीय रेलवे मीडिया आउटलेट्स के माध्यम से बड़े पैमाने पर जनता से अपील करता है कि वे अफवाहों का शिकार न हों, जैसा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में देखा गया था। सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अफवाहों पर ध्यान देकर प्लेटफार्म न बदलें और आधिकारिक घोषणा का सख्ती से पालन करें। भारतीय रेलवे की परिचालन योजना का पालन करते हुए यात्रियों से सहयोग की अपेक्षा है। इससे काफी मदद मिलेगी और जोनल रेलवे अधिकारियों को यात्रियों के लिए नियोजित नियमित और विशेष ट्रेन सेवाओं को सुचारू रूप से निष्पादित करने में मदद मिलेगी। रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 भीड़-भाड़ वाली स्थिति के दौरान किसी भी पूछताछ और यात्री सहायता के लिए लोगों तक पहुंचने के लिए सेवा जारी रखे हुए है। भारतीय रेलवे को इस हेल्पलाइन नंबर पर दुर्भाग्यपूर्ण घटना से संबंधित 130 से अधिक कॉल प्राप्त हुई हैं। इसके अलावा, भारतीय रेलवे कर्मियों ने प्रत्येक मृतक के परिवार को उनके घर तक पहुंचाया और उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इससे पहले दिन में, भारतीय रेलवे ने सभी 18 मृतकों के निकट परिजनों को 10/- लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी। गंभीर रूप से घायल प्रत्येक यात्री को 2.5 लाख रुपये की राशि और मामूली रूप से घायल 15 यात्रियों में से प्रत्येक को 1 लाख रुपये का मुआवजा दिन के दौरान वितरित किया गया।

महाकुंभ के श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर झांसी मंडल के स्काउट्स एंड गाइड्स

"हमेशा तैयार रहो" के ध्येय वाक्य को कर रहे चरितार्थ

महाकुंभ 2025 में आए श्रद्धालुओं की सेवा के लिए उत्तर मध्य रेलवे के तमाम अंगों के साथ ही झांसी मंडल का भारत स्काउट्स एवं गाइड्स भी सेवाएं प्रदान कर रहा है. भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्य वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, प्रयागराज जंक्शन, नैनी और प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर मुस्तैदी के साथ तैनात हैं. झांसी मण्डल के स्काउट पदाधिकारियों के निर्देश पर स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों द्वारा स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण किया जा रहा है. इसके साथ ही श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध करके उन्हें ट्रेन में चढ़ाने में मदद कर रहे हैं. श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है. बुजुर्गों और महिलाओं की मदद प्राथमिकता पर की जा रही है. अकेले यात्रा कर रहे बुजुर्गों का सामान उठाने में मदद करने से लेकर उन्हें सुरक्षित स्टेशन से बाहर और प्लेटफॉर्म तक पहुंचाने का काम सदस्यों द्वारा किया जा रहा है.इसके साथ ही दिव्यांग श्रद्धालुओं को व्हील चेयर की मदद से उनकी सीट तक पहुंचाने में भी मदद कर रहे हैं. हमेशा तैयार रहो के अपने ध्येय वाक्य का अनुसरण करते हुए यह सेवाभावी जांबाज परिवार से बिछड़े हुए श्रद्धालुओं को मिलाने और यात्रियों को प्राथमिक सेवाएं देने का काम भी कर रहे हैं।

गुजरात के राजकोट में 02 से 05 फरवरी तक आयोजित इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2025 संपन्न।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर 2025 में अपनी चमक दिखाई

सूत्र/ रे.स.ब्यू- उत्तर पश्चिम रेलवे ने अपनी निर्माण क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए गुजरात के राजकोट में 02 से 05 फरवरी तक आयोजित इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर-2025 में भाग लिया। लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित इस मेले का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) नवाचार, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास के अवसरों को प्रदर्शित करना था। मेले मे उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा लगाई गई स्टॉल का दौरा श्री घनश्याम ओझा, नेशनल प्रेसिडेंट (लघु उद्योग भारती) श्री श्याम सुंदर सलूजा, ऑल इंडिया सेक्रेटरी एवं आईपीपी गुजरात प्रदेश श्री देवराजभाई गजेरा, वाईस प्रेसिडेंट गुजरात प्रदेश एवं स्थानीय लोगों, अतिथियों और व्यापारिक आगंतुकों ने किया। रेलवे बोर्ड के अधिकारियों में श्री पी मेहंदीरत्ता, संयुक्त निदेशक (उत्पादन इकाइयां) द्वारा भी स्टॉल का दौरा किया और वहां प्रदर्शित मदों की सराहना की गई। स्टॉल पर उत्तर पश्चिम रेलवे की तरफ से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री अशोक कुमार चौधरी, सहायक सामग्री प्रबंधक ,श्री एम एल गुप्ता मुख्य डिपो सामग्री प्रबंधक श्री कीर्ति चौधरी और जनसंपर्क निरीक्षक श्री मोहनलाल सैनी ने प्रबंधन किया। आगंतुकों ने उत्तर पश्चिम रेलवे पर निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और उनकी विशेषताओं की सराहना की। उत्तर पश्चिम रेलवे ने अपने उत्पादों को मॉडल्स, डिस्प्ले बोर्ड्स, ब्रोश्योर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। मेले में उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा यांत्रिकी एवं विद्युत से संबंधित मदों जैसे ट्रैक्शन रॉड, प्राथमिक सस्पेंशन बम्प स्टॉप, एक्सल बॉक्स रियर कवर, बॉल जॉइंट ट्रैक्शन लीवर, डबल इनलेट सेंट्रीफ्यूगल ब्लोअर, एलईडी आधारित टेल लैंप फिटिंग इत्यादि को प्रदर्शित किया गया । खासकर लघु उद्योगों ने विभिन्न उपकरणों के उत्पादों और नई नवाचारों में गहरी रुचि दिखाई एवं रेलवे के साथ सप्लाई चेन में शामिल होने की सक्रिय रूचि दर्शाई।

महाकुंभ -2025 में रेलवे सुरक्षा बल ने सीपीआर देकर 12 श्रद्धालुओं के जीवन को बचाया

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ -2025 के दौरान रेलवे सुरक्षा बल निष्पुर्वक कार्य करके नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है । रेलवे सुरक्षा बल, महाकुंभ -2025 में आये श्रद्धालुओं को निरन्तर सेवा सुरक्षा और सहायता प्रदान कर रही है । 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक चलने वाले महाकुंभ में रेलवे सुरक्षा बल श्रद्धालुओं को सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ सहायता करने के लिए लगभग एक वर्ष भर से तैयारी तैयारी कर रही थी। रेलवे सुरक्षा बल को भीड़ प्रबन्धन, आगजनी, तोड़फोड़ व आपात चिकित्सा के लिए प्रशिक्षित किया गया है । रेलवे सुरक्षा बल के लिए महाकुंभ -2025 में स्टेशनों पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को नियत्रित करना बड़ी चुनौती थी लेकिन रेलवे सुरक्षा बल ने कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित ट्रेन में बैठाया एवं प्रत्येक श्रद्धालु की अपने परिवार के सदस्य की तरह देखभाल की । भीड़ के दौरान कई बार श्रद्धालु चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में गिर गिरकर घायल हो गए तब रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने हर बार अपनी जान की परवाह न करते हुए ट्रेन व प्लेटफार्म के बीच में फंसे श्रद्धालुओं की जान बचायी । महाकुंभ -2025 के दौरान प्रयागराज क्षेत्र में कड़ाके की ठण्ड के दौरान कई श्रद्धालु अचानक हदयगति रूक जाने से अचेत हो गये । रेलवे सुरक्षा बल ने हर बार डाक्टर के उपलब्ध होने तक उनकी सेवा की और कई बार सीपीआर देकर उनके जीवन की रक्षा की । रेलवे सुरक्षा बल द्वारा महाकुंभ -2025 के दौरान दिनांक 14.02.2025 तक सीपीआर देकर 12 श्रद्धालुओं के जीवन की रक्षा की गयी।

रेलवे चिकित्सालय में किया गया महिला शिशु में दुर्लभ बीमारी का सफल ऑपरेशन

सूत्र/ रे.स.ब्यू- केंद्रीय अस्पताल, नार्थ सेंट्रल रेलवे , प्रयागराज में 6 वर्षीय रितिका मंजनपुर कौशाम्बी निवासी जो एक दुर्लभ बीमारी महिला हाइड्रोसील से पीड़ित थी, का सफल ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन डॉ. संजय कुमार, वरिष्ठ सर्जन द्वारा किया गया। यह हाइड्रोसील 6.8x2 सेमी का था, जो महिला शिशुओं में बहुत ही दुर्लभ है। डॉ. संजय कुमार ने कहा कि ऐसे मामले बहुत कम देखे जाते हैं। उपलब्ध शोध के अनुसार, Canal of nuck का हाइड्रोसील, जिसे महिला हाइड्रोसील भी कहा जाता है, एक बहुत ही दुर्लभ स्थिति है, जिसमें अध्ययनों में 12 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों में लगभग 0.74% से 0.76% की प्रवृत्ति की होती है, जिसका अर्थ है कि यह महिला आबादी के बहुत छोटे प्रतिशत को प्रभावित करता हैय अधिकांश मामले बच्चों में देखे जाते हैं और वयस्कों में असामान्य माने जाते हैं। डॉ. संजय ने कहा कि इस दुर्लभ मामले की रिपोर्ट को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के लिए भेजा जाएगा. इस ऑपरेशन की सफलता से रितिका के परिवार को बहुत राहत मिली है। डॉ. संजय कुमार और उनकी टीम को इस सफल ऑपरेशन के लिए चिकित्सा निदेशक डॉ. संजीव कुमार हान्डू ने बधाई दी।

संपादकीय

पर्यटन को बढ़ावा देने में भारतीय रेलवे की भूमिका

महाकुंभ 2025 के दौरान भारतीय रेलवे ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुंभ मेला विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है, जिसमें करोड़ो श्रद्धालु देश-विदेश से आते हैं। इस विशाल आयोजन को देखते हुए भारतीय रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन किया, जिससे यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और सुलभ परिवहन सुविधा मिल सके। इन ट्रेनों के माध्यम से न केवल प्रयागराज बल्कि वाराणसी, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक जैसे अन्य धार्मिक स्थलों को भी जोड़ा गया, जिससे देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं को कुंभ तक पहुंचने में सुविधा हुई। इसके अलावा, स्टेशन परिसरों को भक्तों की जरूरतों के अनुसार विकसित किया गया, जहां सहायता केंद्र, पेयजल, मेडिकल सुविधाएं और सूचना केंद्र स्थापित किए गए। भारतीय रेलवे ने डिजिटल नवाचारों का भी उपयोग किया, जिससे श्रद्धालुओं को ऑनलाइन टिकट बुकिंग, लाइव ट्रेन स्टेटस और विशेष जानकारी प्राप्त हो सकी। रेलवे की यह पहल पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ धार्मिक यात्राओं को और अधिक सुविधाजनक बनाती है। महाकुंभ जैसे आयोजनों में रेलवे की सक्रिय भूमिका न केवल श्रद्धालुओं के सफर को सहज बनाती है, बल्कि भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन को भी सशक्त बनाती है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है।

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ? कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षो की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल जैन (रिपोर्टर) कार्यालय 8438 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
SCAN QR
www.railsamacharbureauald.com

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महाकुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियां

महाकुम्भ मेला–2025 के दौरान रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा नियमित रेलगाड़ियों के अलावा विभिन्न विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जा रहा है। इन विशेष रेलगाड़ियों का तिथिवार विवरण निम्नानुसार है:–

दिनांक 16.02.2025 (रविवार) को चलने वाली विशेष रेलगाड़ियाँ

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	ठहराव
02252	नई दिल्ली (वन्दे भारत)	05:30	वाराणसी (वन्दे भारत)	14:20	गाजियाबाद, कानपुर, सेंट्रल एवं प्रयागराज जं. स्टेशन
02251	वाराणसी (वन्दे भारत)	15:15	नई दिल्ली (वन्दे भारत)	23:50	
04210	प्रयागराज संगम	11:15	जौनपुर जं.	14:00	प्रयाग जं., फाफामऊ जं., फूलपुर, जंघई जं. एवं मड़ियाहूँ स्टेशन
04209	जौनपुर जं.	14:15	प्रयागराज संगम	17:15	
04202	प्रयागराज संगम	12:20	आलमनगर	17:00	प्रयाग जं., कुण्डा हरनामगंज, ऊंचाहार जं., रायबरेली जं., बछरावां एवं उतरेटिया जं. स्टेशन
04201	आलमनगर	19:15	प्रयागराज संगम	23:25	
04206	प्रयागराज संगम	13:30	अयोध्या कैंट	17:00	प्रयाग जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन
04205	अयोध्या धाम	08:25	प्रयागराज संगम	12:15	
04251	प्रयाग जं.	20:30	अयोध्या कैंट	23:55	फाफामऊ जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन
04252	अयोध्या धाम	15:25	प्रयाग जं.	19:55	
04253	फाफामऊ जं.	11:15	अयोध्या कैंट	14:45	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन
04254	अयोध्या धाम	05:55	फाफामऊ जं.	10:15	
04255	प्रयाग जं. (रिंग रेल)	05:35	प्रयाग जं. (रिंग रेल)	21:30	फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खुर्दौर, सुल्तानपुर, कूढ़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड, अयोध्या कैंट, सलारपुर, सोहावल, देवराकोट, बड़ा गाँव, रुदौली, रौजागाँव, पटरंगा, दरियाबाद, सैदखानपुर, सफदरगंज, रसौली, बाराबंकी जं., सफेदाबाद, मल्हौर, लखनऊ, उतरेटिया जं., मोहनलालगंज, कनकहा, निगोहाँ, श्रीराजनगर, बछरावाँ, कुन्दनगंज, हरचन्दपुर, गंगागंज, राय बरेली जं., रूपामऊ, फुरसतगंज, जायस, बनी, गौरीगंज, तालाबखुर्द, अमेठी, मिसरौली, माँ चंद्रिका देवी धाम अन्तू, जगेशरगंज, चिलबिला जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., शनिदेव धाम विशनाथगंज, मऊ आइमा, सेवाइत व फाफामऊ जं. स्टेशन
04527	फाफामऊ जं.	22:30	अम्ब अन्दौरा	17:50	रायबरेली जं., लखनऊ, शाहजहाँपुर, बरेली जं., मुरादाबाद, नजीबाबाद, रुड़की, सहारनपुर, यमुनानगर जगाधरी, अम्बाला छावनी, चंडीगढ़, मोरिंडा, रूप नगर, आनन्दपुर साहिब, नंगल डैम, ऊना हिमाचल स्टेशन
04316	देहरादून	08:10	फाफामऊ जं.	23:50	हरिद्वार, नजीबाबाद, मुरादाबाद, बरेली जं., लखनऊ एवं रायबरेली जं. स्टेशन
04066	दिल्ली जं.	23:25	फाफामऊ जं.	14:15	गाजियाबाद, हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर, गजरौला, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली जं., शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ एवं रायबरेली जं. स्टेशन।
05101	झूँसी (रिंग रेल)	09:00	झूँसी (रिंग रेल)	04:15	ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी जं., वाराणसी सिटी, सारनाथ, औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, युसुफपुर, चित बड़ागाँव, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, छपरा कचहरी, मढ़ौरा, मशरख जं., दिघवा दुबौली, सिधवलिया, रतन सराय, गोपालगंज, थावे जं., हथुआ, सीवान जं., मैरवा, भाटपार रानी, भटनी जं., सलेमपुर जं., बेलथरा रोड, इंदारा जं., मऊ जंक्शन, दुल्लहपुर, जखनियां, औंड़िहार जंक्शन, सारनाथ, वाराणसी सिटी, वाराणसी जंक्शन, बनारस, माधोसिंह और ज्ञानपुर स्टेशन
05102	झूँसी (रिंग रेल)	14:30	झूँसी (रिंग रेल)	09:00	
02418	दिल्ली जं.	09:30	सूबेदारगंज	19:40	अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी एवं फतेहपुर स्टेशन
09404	जंघई	08:30	अहमदाबाद जं.	18:00	प्रयागराज, फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, आगरा किला, बयाना, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोटा, रामगंज मंडी, भवानी मंडी, नागदा, रतलाम, दाहोद, गोधरा, छायापुरी एवं आणंद स्टेशन।
02421	सूबेदारगंज	21:35	दिल्ली जं.	08:55	फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जं., टूण्डला जं. एवं अलीगढ़ जं. स्टेशन
04117	प्रयागराज जं.	22:20	अयोध्या कैंट	03:30	प्रयाग जं., फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन
04118	अयोध्या कैंट	05:15	प्रयागराज जं.	10:15	
04111	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	06:00	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	18:50	प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जाफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर . माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग जं. स्टेशन
04112	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	06:30	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	21:00	
04113	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	17:30	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	07:45	प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जाफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग जं. स्टेशन
04114	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	17:45	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	08:00	
04120	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	13:30	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	04:00	प्रयाग जं., फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., सुल्तानपुर, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., गोशाईगंज, अकबरपुर, शाहगंज जं., जौनपुर जं., जफराबाद जं., मड़ियाहूँ, जंघई जं., भदोही, बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड, हंडिया खास, झूँसी जं. एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशन
03410	प्रयागराज रामबाग	19:15	मालदा टाउन	14:30	बनारस, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., राजेन्द्रनगर (ट), बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं., सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगाँव, साहिबगंज जं., बरहरवा जं. एवं न्यू फरक्का जं. स्टेशन
05296	झूंसी जं.	12:10	दरभंगा जं.	02:30	ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, दिघवारा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., ढोली एवं समस्तीपुर जं. स्टेशन
05150	गोरखपुर जं.	19:30	झूंसी जं.	04:00	चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेलथरा रोड, इंदारा जं., मऊ जं., दुल्लहपुर, औंड़िहार जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस और ज्ञानपुर रोड स्टेशन
05149	झूंसी जं.	11:15	गोरखपुर जं.	20:00	
05152	गोरखपुर जं.	23:45	झूंसी जं.	08:00	चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेलथरा रोड, इंदारा जं., मऊ जं., दुल्लहपुर, औंड़िहार जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस और ज्ञानपुर रोड स्टेशन
05151	झूंसी जं.	15:15	गोरखपुर जं.	23:45	
04022	दिल्ली जं.	15:30	फाफामऊ जं.	05:15	नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ एवं रायबरेली जं. स्टेशन
03417	मालदा टाउन	20:45	झूँसी जं.	17:15	न्यू फरक्का जं., बरहरवा जं., साहिबगंज जं., कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर जं., अभयपुर, किऊल जं., मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, राजेंद्र नगर, पटना जं., दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., वाराणसी एवं बनारस स्टेशन
04015	फाफामऊ जं.	23:30	दिल्ली जं.	13:40	राय बरेली जं., लखनऊ जं., हरदोई, शाहजहांपुर, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, गजरौला जं., गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़, गाजियाबाद एवं नई दिल्ली स्टेशन
04021	फाफामऊ जं.	11:30	दिल्ली जं.	01:40	राय बरेली जं., लखनऊ जं., शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, हापुड़, गाजियाबाद एवं नई दिल्ली स्टेशन
05011	गोरखपुर जं.	14:30	अयोध्या कैंट	19:35	सहजनवा, मगहर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, स्वामी नारायन छपिया, मसकनवी, मनकापुर जं. एवं अयोध्या धाम जं.
05012	अयोध्या कैंट	21:50	गोरखपुर जं.	04:30	अयोध्या धाम जं., मनकापुर जं., मसकनवी, स्वामी नारायन छपिया, बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, मगहर एवं सहजनवा स्टेशन
05104	प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल)	10:30	प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल)	04:30	झूँसी, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, चिलबिला जं., सुल्तानपुर, खजुरहट, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., मनकापुर जं., स्वामी नारायण छपिया, बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., बेलथरा रोड, मऊ जं., दुल्लहपुर, औंड़िहार जं., सारनाथ, वाराणसी शहर, वाराणसी, बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड और झूँसी स्टेशन

दिनांक 17.02.2025 (सोमवार) को चलने वाली विशेष रेलगाड़ियाँ

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	ठहराव
02252	नई दिल्ली (वन्दे भारत)	05:30	वाराणसी (वन्दे भारत)	14:20	गाजियाबाद, कानपुर, सेंट्रल एवं प्रयागराज जं. स्टेशन
02251	वाराणसी (वन्दे भारत)	15:15	नई दिल्ली (वन्दे भारत)	23:50	
04210	प्रयागराज संगम	11:15	जौनपुर जं.	14:00	प्रयाग जं., फाफामऊ जं., फूलपुर, जंघई जं. एवं मड़ियाहूँ स्टेशन
04209	जौनपुर जं.	14:15	प्रयागराज संगम	17:15	
04202	प्रयागराज संगम	12:20	आलमनगर	17:00	प्रयाग जं., कुण्डा हरनामगंज, ऊंचाहार जं., रायबरेली जं., बछरावां एवं उतरेटिया जं. स्टेशन
04201	आलमनगर	19:15	प्रयागराज संगम	23:25	
04206	प्रयागराज संगम	13:30	अयोध्या कैंट	17:00	प्रयाग जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन
04205	अयोध्या धाम	08:25	प्रयागराज संगम	12:15	
04251	प्रयाग जं.	20:30	अयोध्या कैंट	23:55	फाफामऊ जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन
04252	अयोध्या धाम	15:25	प्रयाग जं.	19:55	
04253	फाफामऊ जं.	11:15	अयोध्या कैंट	14:45	माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन
04254	अयोध्या धाम	05:55	फाफामऊ जं.	10:15	
04255	प्रयाग जं. (रिंग रेल)	05:35	प्रयाग जं. (रिंग रेल)	21:30	फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खुर्दौर, सुल्तानपुर, कूढ़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड, अयोध्या कैंट, सलारपुर, सोहावल, देवराकोट, बड़ा गाँव, रुदौली, रौजागाँव, पटरंगा, दरियाबाद, सैदखानपुर, सफदरगंज, रसौली, बाराबंकी जं., सफेदाबाद, मल्हौर, लखनऊ, उतरेटिया जं., मोहनलालगंज, कनकहा, निगोहाँ, श्रीराजनगर, बछरावाँ, कुन्दनगंज, हरचन्दपुर, गंगागंज, राय बरेली जं., रूपामऊ, फुरसतगंज, जायस, बनी, गौरीगंज, तालाबखुर्द, अमेठी, मिसरौली, माँ चंद्रिका देवी धाम अन्तू, जगेशरगंज, चिलबिला जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., शनिदेव धाम विशनाथगंज, मऊ आइमा, सेवाइत व फाफामऊ जं. स्टेशन
04315	फाफामऊ जं.	06:30	देहरादून	21:30	रायबरेली जं., लखनऊ, बरेली जं., मुरादाबाद, नजीबाबाद एवं हरिद्वार स्टेशन
04065	फाफामऊ जं.	23:30	दिल्ली जं.	13:40	रायबरेली जं., लखनऊ, हरदोई, शाहजहाँपुर, बरेली जं., रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़ एवं गाजियाबाद स्टेशन।
09404	जंघई जं.	08:30	अहमदाबाद जं.	18:00	प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा, टून्डला जं., आगरा फोर्ट, बयाना जं., गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर जं., कोटा जं., रामगंज मंडी, भवानी मंडी, नागदा जं., रतलाम जं., दाहोद, गोधरा जं., छायापुरी एवं आणंद जं. स्टेशन
05101	झूंसी (रिंग रेल)	09:00	झूंसी (रिंग रेल)	04:15	ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी जं., वाराणसी सिटी, सारनाथ, औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, युसुफपुर, चित बड़ागाँव, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, छपरा कचहरी, मढ़ौरा, मशरख जं., दिघवा दुबौली, सिधवलिया, रतन सराय, गोपालगंज, थावे जं., हथुआ, सीवान जं., मैरवा, भाटपार रानी, भटनी जं., सलेमपुर जं., बेलथरा रोड, इंदारा जं. मऊ जंक्शन, दुल्लहपुर, जखनियां, औंड़िहार जंक्शन, सारनाथ, वाराणसी सिटी, वाराणसी जंक्शन, बनारस, माधोसिंह और ज्ञानपुर स्टेशन
05102	झूंसी (रिंग रेल)	14:30	झूंसी (रिंग रेल)	09:00	
05150	गोरखपुर जं.	19:30	झूंसी जं.	04:00	चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेलथरा रोड, इंदारा जं., मऊ जं., दुल्लहपुर, औंड़िहार जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस और ज्ञानपुर रोड स्टेशन
05149	झूंसी जं.	11:15	गोरखपुर जं.	20:00	
05152	गोरखपुर जं.	23:45	झूंसी जं.	08:00	चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेलथरा रोड, इंदारा जं., मऊ जं., दुल्लहपुर, औंड़िहार जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस और ज्ञानपुर रोड स्टेशन
05151	झूंसी जं.	15:15	गोरखपुर जं.	23:45	
02275	सूबेदार गंज	21:35	दिल्ली जं.	08:55	फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा जं., टूण्डला जं., एवं अलीगढ़ जं. स्टेशन
02422	दिल्ली जं.	09:30	सूबेदार गंज	19:40	अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी एवं फतेहपुर स्टेशन
07384	वाराणसी	05:00	हुब्बलि जं.	00:45	चुनार, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर जं., सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, इटारसी जं., बानापुरा, हरदा, खिरकिया, छनेरा, तलवड़िया, भुसावल जं., मनमाड़ जं. कोपरगांव, अहमदनगर, दौंड कॉर्ड लाइन, पुणे जं., सतारा, कराड, किर्लोस्करवाड़ी, सांगली, मिरज जं., कुडाची, रायबाग, घाटप्रभा, गोकाक रोड, बेलगावी, खानापुर, लोंडा जं., अलनावर जं. और धारवाड़ स्टेशन
09405	अहमदाबाद जं.	22:40	जंघई जं.	04:30	आणंद जं., छायापुरी, गोधरा जं., दाहोद, रतलाम जं., नागदा जं., भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा जं., सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना जं., आगरा किला, टूंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, फतेहपुर एवं प्रयागराज जं. स्टेशन
04117	प्रयागराज जं.	22:20	अयोध्या कैंट	03:30	प्रयाग जं., फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन
04118	अयोध्या कैंट	05:15	प्रयागराज जं.	10:15	
04111	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	06:00	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	18:50	प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जाफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर . माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग जं. स्टेशन
04112	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	06:30	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	21:00	
04113	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	17:30	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	07:45	प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जाफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग जं. स्टेशन
04114	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	17:45	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	08:00	
04120	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	13:30	प्रयागराज जं. (रिंग रेल)	04:00	प्रयाग जं., फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., सुल्तानपुर, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., गोशाईगंज, अकबरपुर, शाहगंज जं., जौनपुर जं., जफराबाद जं., मड़ियाहूँ, जंघई जं., भदोही, बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड, हंडिया खास, झूँसी जं. एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशन
07108	बनारस	17:30	विजयवाड़ा	05:30	वाराणसी, काशी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., चंदौली मझवार, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, सोन नगर, जपला, गढ़वा रोड जं., डाल्टनगंज, बरवाडीह जं., लातेहार, टोरी, बरका काना, मुरी जं., रांची, हटिया, राउरकेला, झारसुगुडा जं., संबलपुर जं., बरगढ़ रोड, बलांगीर, टिटलागढ़, केसिंगा, मुनिगुडा, रायगढ़ा, पार्वतीपुरम, बोब्बिली, विजयनगरम जं., कोट्टवलसा, पेंदुर्ती, दुव्वाडा, अनाकापल्ले, इलामंचिली, अन्नावरम, समालकोट जं., राजमुंद्री, निडदवोल जं., ताडेपल्लिगुडेम, एलुरु, विजयवाड़ा जं., तेनाली जं., चीराला, ओंगोल, नेल्लूर एवं गुडूर जं. स्टेशन
04722	पाटलिपुत्र	04:30	बिकानेर जं.	11:30	दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., मिर्जापुर, प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविंदपुरी, एटा जं., टूण्डला जं., अलीगढ़ जं., गाजियाबाद, दिल्ली जं., दिल्ली कैंट, गुड़गांव, रेवाड़ी जं., महेन्द्रगढ़, सतनाली, लोहारू, सादुलपुर जं., चूरू, रतनगढ़ जं., राजलदेसर, श्री डूंगरगढ़, सुडसर और नापासर स्टेशन।
04021	फाफामऊ जं.	11:30	दिल्ली जं.	01:40	रायबरेली जं., लखनऊ, शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद, हापुड़, गाजियाबाद एवं नई दिल्ली स्टेशन
03418	झूँसी	19:15	मालदा टाउन	14:30	बनारस, वाराणसी, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., राजेंद्र नगर, बख्तियारपुर, बाढ़, मोकामा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं., सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज जं., बरहरवा जं. एवं न्यू फरक्का जं. स्टेशन
03429	मालदा टाउन	20:45	झूँसी	17:15	न्यू फरक्का जं., बरहरवा जं., साहिबगंज जं., कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर जं., अभयपुर, किऊल जं., मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, राजेंद्र नगर, पटना जं., दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., वाराणसी एवं बनारस स्टेशन
05011	गोरखपुर जं.	14:30	अयोध्या कैंट	19:35	सहजनवा, मगहर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, स्वामी नारायन छपिया, मसकनवी, मनकापुर जं. एवं अयोध्या धाम जं.
05012	अयोध्या कैंट	21:50	गोरखपुर जं.	04:30	अयोध्या धाम जं., मनकापुर जं., मसकनवी, स्वामी नारायन छपिया, बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, मगहर एवं सहजनवा स्टेशन
05104	प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल)	10:30	प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल)	04:30	झूँसी, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मा बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, चिलबिला जं., सुल्तानपुर, खजुरहट, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., मनकापुर जं., स्वामी नारायण छपिया, बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., बेलथरा रोड, मऊ जं., दुल्लहपुर, औंड़िहार जं., सारनाथ, वाराणसी शहर, वाराणसी, बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड और झूँसी।

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल एवं गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हमें पर फॉलो करें

श्री अश्विनी वैष्णव जी, माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार द्वारा बेतिया में समपार सं. 02 पर नवनिर्मित सड़क उपरि पुल का राष्ट्र को समर्पण।

बिहार में 2009 से 2014 के मध्य जहां औसतन प्रतिवर्ष 64 किमी नई लाइन का निर्माण होता था, वहीं 2014 से 2025 के मध्य प्रतिवर्ष औसतन 167 किमी नई लाइन का निर्माण हुआ है, जो लगभग 2.6 गुना ज्यादा है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार में 2014 से अब तक 1,832 किमी नई रेल लाइन का निर्माण किया जा चुका है, जो मलेशिया के कुल रेल नेटवर्क के बराबर है।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 09.02.2025 को बेतिया में समपार सं. 02 पर नवनिर्मित सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) का राष्ट्र को समर्पण हेतु आयोजित समारोह में श्री वैष्णव, माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार द्वारा नारी शक्तिस्वरूप महिलाओं के माध्यम से आरओबी का राष्ट्र को समर्पित कराया गया। इस दौरान उपस्थित माननीय सांसदगण एवं जनसमूह द्वारा बेतिया के रास्ते गोरखपुर और पटना के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की भारी मांग पर उन्होंने विचार करने का आश्वासन दिया और कहा कि जल्द ही पूरे भारत में कई वंदे भारत ट्रेनें चलायी जाएंगी। माननीय रेल मंत्री जी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए जा रहे बेतिया स्टेशन के 3डी मॉडल का भी अवलोकन किया गया। इस अवसर पर बेतिया में आयोजित समारोह में माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री सतीश चंद्र दुबे, माननीय सांसद डॉ.संजय जायसवाल, माननीय सांसद श्री सुनील कुमार, माननीय सांसद श्री गोपालजी ठाकुर एवं माननीय विधायकगण सहित कई अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह एवं समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनय श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। समारोह के उपरांत बेतिया स्टेशन पर आयोजित प्रेस वार्ता में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2009 से 2014 के बीच बिहार में रेलवे के विकास के लिए प्रतिवर्ष औसतन 1,132 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया जाता था, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस साल के बजट में बिहार को रेलवे के लिए रिकॉर्ड 10,066 करोड़ रुपये का बजट दिया है। यानी पिछली सरकार की तुलना में करीब-करीब नौ गुना अधिक बजट आवंटित किया गया है। इसी रिकॉर्ड बजट का परिणाम है कि बिहार में नई रेल लाइनों के निर्माण, विद्युतीकरण, नई ट्रेनों का संचालन, स्टेशनों का विकास, और यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी के कार्य रिकॉर्ड स्तर पर किए जा रहे हैं। बिहार में रेलवे के समग्र विकास हेतु 95,566 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, जिससे अगले 05 वर्षों में बिहार में रेलवे नेटवर्क का पूर्ण ट्रांसफ मेशन होने वाला है। उन्होंने कहा कि बिहार में चल रहे प्रोजेक्ट के लिए फंड की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। इसके साथ ही बिहार में 2014 से 3,020 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया गया है। इसी का परिणाम है कि आज बिहार में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन के तहत चम्पारण के आसपास के प्रमुख स्टेशनों जैसे - बेतिया, बापूधाम मोतिहारी, नरकटियागंज, रक्सौल आदि सहित बिहार में कुल 98 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना के विकास हेतु नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा रेलखंड के दोहरीकरण कार्य की कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। वर्तमान में वाल्मीकिनगर- सगौली एवं सगौली-मुजफ्फरपुर रेलखंड का दोहरीकरण कार्य चल रहा है। इसके पूर्ण हो जाने से इस क्षेत्र में और कई ट्रेनों का परिचालन संभव हो पाएगा। विदित हो कि बेतिया शहर में ट्रैफिक जाम से राहत के लिए 103 करोड़ रुपये की लागत से बेतिया और कुमारबाग स्टेशन के मध्य बेतिया (छावनी) के निकट समपार सं. 02 पर सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) के निर्माण की मंजूरी दी गई थी। इस परियोजना के तहत आरओबी के साथ ही रेलवे लाइन के एक तरफ बेतिया- लौरिया लेन तथा दूसरी तरफ मैनाटांड एवं नरकटियागंज लेन का निर्माण किया जाना था। पिछले वर्ष मार्च, 2024 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा इस आरओबी के बेतिया-लौरिया लेन का उद्घाटन किया गया था। इस आरओबी के मैनाटांड लेन तथा नरकटियागंज लेन भी पिछले वर्ष मई, 2024 में चालू कर दिए गए थे। इस परियोजना का शेष बचा भाग सड़क उपरी पुल का निर्माण कार्य पिछले माह जनवरी 2025 में पूरा कर लिया गया था, जिसका माननीय रेल मंत्री श्री वैष्णव जी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। इस आरओबी के चालू होने के बाद बेतिया शहरवासियों को एक ओर जहां ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी, वहीं यातायात की आवाजाही आसान और तेज होगी। साथ ही, ट्रेनों की परिचालन की संरक्षा कई गुना बढ़ जाएगी।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन तैयारः लंबी दूरी की आरामदायक यात्रा के एक नए युग की शुरुआत।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारत में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के आगमन से भारतीय रेलवे लंबी दूरी की यात्रा में क्रांति लाने के लिए तैयार है। यह ट्रेन भारतीय रेलवे के तेजी से बढ़ते बेड़े का अत्याधुनिक संस्करण है। 15 जनवरी 2025 को, पहली 16 डिब्बों वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने मुंबई-अहमदाबाद खंड में 540 किलोमीटर की दूरी का सफलतापूर्वक परीक्षण पूरा किया। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई ने 17 दिसंबर 2024 को भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निर्माण पूरा किया। इसके बाद, इसे कोटा डिवीजन में लाया गया और वहां 30 से 40 किलोमीटर तक के छोटे परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए, जिसमें ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आरामदायक यात्रा का अनुभव किया। इस ट्रेन की उपलब्धि रेलवे के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण कदम है और यात्रियों के लिए एक शानदार यात्रा का वादा करती है। इसमें आराम, गति और अत्याधुनिक तकनीक पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो रात भर की यात्रा को नई परिभाषा देने के लिए तैयार है।

उत्पादन और विस्तारः

प्रोटोटाइप परीक्षण के सफल होने के बाद, अप्रैल से दिसंबर 2025 तक नौ और वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट का उत्पादन किया जाएगा। इन ट्रेनों का उद्देश्य लंबी दूरी के यात्रियों को अधिक दक्षता और सुविधा प्रदान करना है। 17 दिसंबर 2024 को, भारतीय रेलवे ने 24 डिब्बों वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के 50 रेक के लिए प्रोपल्शन इलेक्ट्रिक्स का ऑर्डर दिया। ये रेक मेसर्स मेधा और मेसर्स अलस्टॉम द्वारा सप्लाई किए जाएंगे और 2026-27 तक पूरे पैमाने पर उत्पादन शुरू होगा।

विशेषताएँः

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे, आरामदायक बर्थ, ऑनबोर्ड वाईफाई और विमान जैसी सुविधाएं होंगी। यह ट्रेन तीन श्रेणियों एसी प्रथम श्रेणी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर में डिवाइड होगी और इसकी कुल क्षमता 1,128 यात्रियों की होगी। इन ट्रेनों में क्रैश बफर्स, अग्नि अवरोधक दीवारें और विरूपण ट्यूब भी होंगे। मेक इन इंडिया पहल के तहत डिजाइन और निर्मित, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भारतीय इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और रेलवे के क्षेत्र में बदलाव की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

"ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका एवं शिर्डी यात्रा" के लिए रवाना होगी आईआरसीटीसी की भारत गौरव पर्यटक ट्रेन।

सूत्र/पमरे - मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है, जो दिनांक 25.03.2025 को रीवा शहर से "ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका एवं शिर्डी यात्रा" के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन मध्यप्रदेश के रीवा, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, इटारसी, रानी कमलापति, शुजालपुर, इंदौर, देवास, उज्जैन एवं रतलाम स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे। 10 रातें/11 दिनों की इस यात्रा में द्वारका, सोमनाथ, त्रिम्बकेश्वर, शिरडी, भीमाशंकर एवं घृष्णेश्वर के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इसके लिए यात्रियों को रु. 20,700/- प्रति व्यक्ति (SL - इकॉनामी श्रेणी), रु. 34,600/- प्रति व्यक्ति (3AC स्टैण्डर्ड श्रेणी) एवं रु. 45,900/- प्रति व्यक्ति (2AC - कम्फर्ट श्रेणी) किराया देना होगा। आईआरसीटीसी, इस सर्व समावेशी टूर की पेशकश कर रहा है, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक्त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है। इच्छुक पर्यटक इसकी बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctctourism.com पर ऑनलाइन और अधिकृत एजेंट से भी करा सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी और बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेलवे स्टेशन कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

रेल बजट 2025-26 में मध्य प्रदेश को 14,745 करोड़ रूपये का बजट आवंटन।

सूत्र/पमरे- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक और आईटी मंत्री श्री वैष्णव ने 2025-26 के बजट पर वीडियो कांफ्रेंसिंग से चर्चा की और बताया कि पिछले 10 वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे में भारी निवेश किया गया है। इस निवेश के माध्यम से संरक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार, आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस बजट में रेलवे को 2,65,000 करोड़ रूपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से 116 हजार करोड़ रूपए रेलवे संरक्षा को मजबूत करने के लिए निर्धारित किए गए हैं। श्री वैष्णव ने मध्य प्रदेश के लिए 2025,26 के बजट में 14,745 करोड़ रूपए आवंटित किए जाने की जानकारी दी। इस राशि से राज्य में रेलवे के विस्तार, सुरक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और यात्री सुविधाओं पर काम किया जाएगा। मध्य प्रदेश में 108 हजार करोड़ रूपए की 31 परियोजनाओं के अंतर्गत 5869 किलोमीटर न्यू ट्रैक प्रोजेक्ट्स पर कार्य चल रहा है, और राज्य में सभी रेल लाइनों का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। अमृत स्टेशन योजना के तहत 80 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। साथ ही, 1109 फ्लाईओवर और रोड अंडर ब्रिज भी बनाए गए हैं। संरक्षा को लेकर उन्होंने बताया कि भारतीय रेलवे में कवच प्रणाली को स्थापित करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है, और मध्य प्रदेश में 3572 रूट किलोमीटर पर कवच प्रणाली लागू की जाएगी। यात्री सुविधाओं में 69 लिफ्ट, 41 एस्केलेटर और 408 स्टेशनों पर फ्री वाई-फाई का विस्तार किया जा रहा है। इसके अलावा, 14 जिलों में 4 वंदे भारत ट्रेनें भी संचालित की जा रही हैं। पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बजट की जानकारी दी और सुनिश्चित किया कि इन परियोजनाओं को समय पर पूरा किया जाएगा।

महाकुम्भ में रेल के माध्यम से आ रहे तीर्थयात्रियों के लिए कुछ विशेष सूचनाएं

महाकुंभ में रेल के माध्यम से आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल ने विशेष प्रबंध किए हैं, ताकि उन्हें किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए रेलवे ने विशेष निर्देश जारी किए हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन निर्देशों का पालन करें।

दिशावार स्टेशन

प्रयागराज शहर मे 9 रेलवे स्टेशन हैं जहाँ से विभिन्न दिशाओं के यात्री मुख्य स्नान दिवसों पर अपनी दिशा के अनुसार गाड़ी पकड़ सकते हैं।

जोन	रेलवे स्टेशन	दिशा की ओर
उत्तर मध्य रेलवे	प्रयागराज जंक्शन (PRYJ)	कानपुर (CNB) पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU) सतना (STA) झांसी (VGLJ)
	नैनी जंक्शन (NYN)	सतना (STA) झांसी (VGLJ) पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU)
	प्रयागराज छिक्की (PCOI)	सतना (STA) झांसी (VGLJ) पं. दीन दयाल उपाध्याय (DDU)
	सूबेदारगंज (SFG)	कानपुर (CNB)
उत्तर रेलवे	प्रयागराज संगम (PYGS) (मुख्य स्नान दिवसों को छोड़कर)	अयोध्या (AY) जौनपुर (JNU) लखनऊ (LKO)
	प्रयागराज जंक्शन (PRG)	अयोध्या (AY) जौनपुर (JNU) लखनऊ (LKO)
	फाफामऊ जंक्शन (PFM)	
पूर्वोत्तर रेलवे	प्रयागराज रामबाग स्टेशन (PRRB)	वाराणसी (BSB) गोरखपुर (GKP) मऊ (MAU)
	झूंसी (JI)	

स्टेशनों पर यात्री आश्रयों की कलर कोडिंग (उत्तर मध्य रेलवे)

स्टेशन	गेट नं.	यात्री आश्रय नं.	कलर कोडिंग	दिशा (की ओर)
प्रयागराज जंक्शन	1	1	लाल	लखनऊ, वाराणसी
	2	2	नीला	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	3	3	पीला	मानिकपुर, सतना, झांसी
	4	4	हरा	कानपुर
	5	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं
नैनी जंक्शन	1	1	हरा	कानपुर
	1	2	नीला	मानिकपुर, झांसी
	1	3	लाल	मानिकपुर, सतना
	2	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं
	3	4बी	पीला	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	4	4ए	पीला	
प्रयागराज छिवकी	1ए	2	लाल	मानिकपुर, सतना, झांसी
	1बी	1	हरा	पं. दीनदयाल उपाध्याय (DDU)
	2	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं
सुबेदारगंज	1	1		कानपुर
	3	आरक्षित यात्रियों के लिए		सभी दिशाएं

ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण विंदु

- जेबकतरों से सावधान रहे।
- अपने सामान का ध्यान रखें।
- अपने आस-पास नज़र रखें और अगर आपको अपने आस-पास कोई लावरिस वस्तु दिखे तो ऑनबोर्ड स्टाफ, सुरक्षा कर्मचारियों और स्वयंसेवको को सूचित करें।
- अधिकृत आउंटर/कर्मियों से ही टिकट खरीदें।घवराऐं नहीं।
- कतार में चले और अपने आगे के लोगों को धक्का देने से बचें।
- रेलवे स्टेशनों पर तैनात सुरक्षा/टिकट जांच कर्मचारियों और स्वंयसेवकों के मार्गदर्शन पालन करें।
- प्लेटफॉर्म और एफओवी पर न बैठे, उन्हे आवाजाही के लिए खुला रखे।
- गाड़ी के अंदर एवं स्अेशनों परिसर मे न थूके और न ही कूड़ा फैलाएं।

मुख्य स्नान पर्वों पर प्रतिवंध

कुंभ मेले के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और उनकी सुगम निकासी के लिए रेलवे स्टेशनों पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाएंगे। प्रतिबंध मुख्य स्नान दिवस के एक दिन पहले से मुख्य स्नान दिवस के दो दिन बाद तक लागू रहेगा।

मुख्य स्नान पर्व	दिनांक	प्रतिबंध अवधि
पौष पूर्णिमा	13.01.2025	12.01.2025 (00:00)to 16.01.2025 (24:00)
मकर सक्रांति	14.01.2025	
मौनी अमावस्या	29.01.2025	28.01.2025 (00:00) to 31.01.2025 (24:00)
बसंत पंचमी	03.02.2025	02.02.2025 (00:00) to 05.02.2025 (24:00)
माघ पूर्णिमा	12.02.2025	11.02.2025 (00:00) to 14.02.2025 (24:00)
महाशिवरात्री	26.02.2025	25.02.2025 (00:00) to 28.02.2025 (24:00)

प्रतिबंध अवधि के दौरान

प्रयागराज जंक्शन

- प्रवेश केवल सिटी साइड (प्लेटफॉर्म नं.1 की ओर) से दिया जाएगा।
- निकास केवल सिविल लांइन साइड की ओर से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।
- आरक्षित यात्रियों को सिटी साइड से गेट नंबर 5 के माध्यम से अलग से प्रवेश दिया जाएगा।

नैनी जंक्शन

- प्रवेश केवल स्टैशन रोड से दिया जाएगा।
- निकास केवल माल गोदाम की ओर (द्वितीय प्रवेश द्वार) से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर-2 से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

सूबेदारगंज स्टेशन

- प्रवेश केवल झलवा (कौशाम्बी रोड) की ओर से दिश जाएगा।
- निकास केवल जी.टी. रोड की ओर दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों के लिए यात्री आश्रय की व्यवस्था रहेगी।
- आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर-3 से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

प्रयाग जंक्शन

- प्रवेश केवल पैधम लाइल (प्लेटफॉर्म नं.1 की ओर) से दिया जाएगा।
- निकास केवल रामप्रिया रोड (प्लेटफॉर्म नं. 4) की ओर से होगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

फाफामऊ जंक्शन

- प्रवेश केवल द्वितीय प्रवेश द्वार (प्लेटफॉर्म नं.4 की ओर) से दिया जाएगा।
- निकास केवल फाफामऊ बाजार (प्लेटफॉर्म नं. 1) की ओर से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावर यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।
- आरक्षित यात्रियों को साहसों रोड स्थित द्वितीय प्रवेश मार्ग से ही प्रवेश दिया जाएगा

प्रयागराज रामबाग स्टेशन

- प्रवेश केवल हनुमान मंदिर चौराहा की ओर से मुख्य प्रवेश द्वार से दिया जाएगा।
- निकास केवल लाउदर रोड की ओर दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

झूंसी स्टेशन

- प्रवेश और निकास की सुविधा स्टेशन के दोनों ओर से दी जाएगी।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

प्रयागराज छिवकी स्टेशन

- प्रवेश केवल प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग को जोड़ने वाले सीओडी मार्ग से दिया जाएगा।
- निकास केवल जी.ई.सी. नैनी रोड (प्रथम प्रवेश) की ओर से दिया जाएगा।
- अनारक्षित यात्रियों को दिशावार यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।
- आरक्षित यात्रियों को गेट नंबर-2 से प्रवेश दिया जाएगा।
- टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, ए.टी.वी.एम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

नोटः- प्रयागराज संगम स्टेशन मुख्य स्नान दिवसों पर (मुख्य स्नान दिवस के एक दिन पहले से दो दिन बाद तक) बंद रहेगा।

महाप्रबंधक की मण्डल रेल प्रबंधको और विभागाध्यक्षों के साथ संरक्षा कार्य योजना पर चर्चा

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री अमिताभ, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे की अध्यक्षता में प्रधान कार्यालय में दिनांक 11.02.2025 को संरक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संरक्षित रेल संचालन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, संरक्षा संवाद, संरक्षा अभियानों और संरक्षा कार्य योजना 2024-25 पर चर्चा की गई तथा उत्तर पश्चिम रेलवे पर माह जनवरी 2025 में हुई गतिविधियों के ई-बुलेटिन का प्रसारण किया गया। इस दौरान संरक्षित रेल संचालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारी को सम्मानित भी किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार बैठक श्री अमिताभ ने चारों मंडलों पर आयोजित संरक्षा संवाद कार्यक्रम की जानकारी ली। साथ ही दोहरीकरण, रेल पटरियों के नवीनीकरण, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम, रोड अंडर ब्रिज, इत्यादि कार्यों की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने पतंगबाजी की घटनाओं से इलेक्ट्रिक ट्रेनों के संचालन बाधित होने की घटनाओं के रोकथाम के लिए आमजन को जागरूक करने पर जोर दिया। इस दौरान संरक्षित रेल संचालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारी श्री हेम विकास मीना, तकनीशियन प्रथम, कैरीज व वैगन विभाग, जयपुर मंडल को सम्मानित भी किया गया। श्री विकास मीना ने बांदीकुई में ड्यूटी के दौरान मालगाड़ी के एक्सेल से ग्रीस के रिसाव को देख बियरिंग के क्षतिग्रस्त होने का पता लगाया जिससे संभावित दुर्घटना को रोका जा सका। श्री अमिताभ, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा का ध्यान रखने पर बल दिया। बैठक में हाल ही में हुए असामान्य घटनाओं की समीक्षा की गई तथा उनकी पुनरावृत्ति रोकने संबंधी उपायों पर चर्चा की गई। ट्रैकमैन की सुरक्षा के लिए बनाए गए रक्षक प्रणाली की प्रगति की समीक्षा की गई। संरक्षा कार्य योजना 2024-25 पर विस्तृत चर्चा की गई।

महाकुंभ 2025: यात्रियों की सुविधा हेतु नाश्ते का वितरण और जानकारी प्रदान की गई

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के दौरान रेल समाचार ब्यूरो और रेलवे पैसेंजर्स सेफ्टी एंड अमेनिटीज एसोसिएशन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए नाश्ते का वितरण किया गया। साथ ही, यात्रियों को ट्रेन, स्टेशन और अन्य आवश्यक जानकारियाँ प्रदान की गई, जिससे वे अपने गंतव्य तक बिना किसी परेशानी के पहुँच सके। रेल समाचार ब्यूरो परिवार ने यात्रियों की सुविधा का निरंतर ध्यान रखा और यह सेवा महाकुंभ के दौरान जारी रही। भारी भीड़ को देखते हुए, यह पहल यात्रियों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुई। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए इस अभियान को सुचारू रूप से संचालित किया गया।

रुँधी स्टेशन पर बिना टिकट/अनाधिकृत यात्रा तथा ट्रेन में गंदगी फेलाने/धूम्रपान करने वालों के विरुद्ध चलाया गया विशेष टिकट जांच अभियान।

सूत्र/ रे.स.ब्यू- मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री तेज प्रकाश अग्रवाल के निर्देशानुसार व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा श्री अमित आनन्द के निर्देशन में दिनांक-14.02.2025 को रुँधी स्टेशन पर अनाधिंत यात्रा करने वालों के विरुद्ध विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत रुँधी स्टेशन पर ठहरने वाली गाड़ियों में सघन जांच कराई गई । जांच के दौरान स्टेशन पर अफरा तफरी का माहौल रहा लोग इधर उधर भागते दिखे तो कोई अपने परिचितों का परिचय देते रहे । इस अभियान में कुल 91 यात्रियों से जुर्माना स्वरुप ₹ 31,615/- रु रेल राजस्व अर्जित किया गया । जिसमे 49 बिना टिकट यात्रियों से रु-18,395/- , 38 अनाधिकृत यात्रियों से रु. 12,520 /- तथा 06 यात्रियों से गंदगी फैलाने/धूम्रपान करने के फलस्वरूप रु0-700/- का जुर्माना वसूल किया गया। उक्त जांच के दौरान रुँधी, सोलाका एवं होडल स्टेशनों की टिकट विंडो सेल पर यात्रियों की लंबी लाइन लगी नजर आई । पिछले वर्ष 14.02.2024 को रुँधी स्टेशन की टिकट विंडो सेल रुव 3731/- थी जो वर्तमान वर्ष 14.02.2025 को रुँधी स्टेशन की टिकट विंडो सेल रु. 5756/- रही। जनसंपर्क अधिकारी कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रकार की जांच मंडल में निरंतर कराई जा रही हैं, जिससे बिना टिकट यात्रा ,अनियमित यात्रा ,बिना बुक लगेज, गंदगी फैलाने वालों यात्रियों पर रोक लगाई जा सके । अतः यात्रियों से अनुरोध है कि वह उचित यात्रा टिकट लेकर एवम निर्धारित सीमा से अधिक सामान को बुक कराकर ही यात्रा करे तथा रेल परिसर में गंदगी न फैलाए ।

आयुष मंत्रालय और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने वृद्धावस्था स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने और मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने 12 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाना और मादक द्रव्यों के सेवन की बढ़ती समस्या से निपटना है। यह ऐतिहासिक कदम आयुष-आधारित उपायों को लागू करने पर केंद्रित है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री बीएल वर्मा की उपस्थिति में किए गए। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव श्री अमित यादव और दोनों मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में, श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, "बुजुर्गों की स्वास्थ्य देखभाल और मादक द्रव्यों का सेवन ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। यह सहयोग इन समस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभाएगा।" उन्होंने आयुष प्रणालियों के समग्र दृष्टिकोण का लाभ उठाकर वरिष्ठ नागरिकों और मादक द्रव्यों के सेवन से प्रभावित व्यक्तियों को सशक्त बनाने का लक्ष्य व्यक्त किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री बीएल वर्मा ने इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से बुजुर्गों के लिए विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल, उपचार प्रोटोकॉल, योग प्रशिक्षण कार्यक्रम और निवारक उपायों का विकास किया जाएगा। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, "हमारे पास वृद्धजनों के समक्ष आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए कई कार्यक्रम हैं। यह समझौता ज्ञापन हमारी प्रतिबद्धता को और बढ़ावा देगा।" समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, मादक द्रव्यों के सेवन की समस्या को दूर करना और मानसिक पुनर्वास में सहायता करना है। दोनों मंत्रालय आयुष प्रणालियों की ताकत का उपयोग करके जागरूकता कार्यक्रमों और स्वास्थ्य संवर्धन गतिविधियों को लागू करेंगे। यह समझौता ज्ञापन देश की स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो आयुष प्रणालियों और सामाजिक न्याय पहलों को जोड़कर एक स्वस्थ और समावेशी समाज की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

एक राष्ट्रव्यापी प्रजाति-केंद्रित अभियान "शतावरी - बेहतर स्वास्थ्य के लिए" की शुरुआत की गई।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने 06 फरवरी, 2025 को "शतावरी-बेहतर स्वास्थ्य के लिए" नामक एक प्रजाति-केंद्रित अभियान का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य औषधीय पौधों के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) के सीईओ डॉ. महेश कुमार दाधीच और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में, श्री प्रतापराव जाधव ने आयुष मंत्रालय द्वारा पिछले दशक में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख किया और शतावरी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एनएमपीबी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एनएमपीबी द्वारा चलाए गए सफल अभियानों का भी उल्लेख किया, जैसे आंवला, मोरिंगा, गिलोय और अश्वगंधा, जिनसे देशभर में औषधीय पौधों के लाभों के प्रति जागरूकता फैली। मंत्री ने 15 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए पंच प्राण लक्ष्य को प्राप्त करने में शतावरी की भूमिका पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है, और शतावरी को महिलाओं के स्वास्थ्य को सुधारने के एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में पहचाना गया है, जो समग्र कल्याण के लक्ष्य से जुड़ा है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने औषधीय पौधों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना के बारे में जानकारी दी। इस योजना का उद्देश्य शतावरी समेत अन्य महत्वपूर्ण औषधीय पौधों का दीर्घकालिक संरक्षण और खेती को सुनिश्चित करना है। एनएमपीबी के सीईओ डॉ. महेश कुमार दाधीच ने शतावरी के औषधीय महत्व पर जोर दिया और इसे विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत ₹18-9 लाख की वित्तीय सहायता दी जाएगी, ताकि शतावरी के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और इसे व्यापक रूप से अपनाया जा सके। यह अभियान आयुष मंत्रालय के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है, जो पारंपरिक चिकित्सा और औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के लिए देश में बेहतर स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा।

राष्ट्रपति ने यूनानी दिवस के अवसर पर केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और प्रख्यात यूनानी चिकित्सक हकीम अजमल खान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सूत्र/ रे.स.ब्यू- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 11 फरवरी, 2025 को यूनानी दिवस के अवसर पर केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह, आयुष मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अपने संबोधन में, राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और प्रख्यात यूनानी चिकित्सक हकीम अजमल खान को श्रद्धांजलि अर्पित की और सीसीआरयूएम के यूनानी चिकित्सा के माध्यम से मानव स्वास्थ्य और कल्याण में योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सा एक प्राचीन और समृद्ध प्रणाली है, जो परंपरा और नवाचार के बीच संतुलन बनाए रखती है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यूनानी चिकित्सा में नवाचार से उसकी स्वीकार्यता और वैश्विक मान्यता बढ़ेगी, और यह सम्मेलन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रपति ने भारत सरकार के द्वारा यूनानी चिकित्सा को समर्थन देने और इसे बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में यूनानी चिकित्सा के शैक्षणिक, अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा और दवा संस्थानों का सबसे बड़ा नेटवर्क है, जो इस प्रणाली के प्रचार और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने यूनानी चिकित्सा को आधुनिक बनाने के लिए आणविक जीवविज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया। आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, सीसीआरयूएम के महानिदेशक डॉ. एन. जहीर अहमद, और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ-साथ भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

Mountains Moved! – The Railway to Kashmir

Sharp biting cold winds whip against you as you stand on the deck of the world's highest railway bridge spanning the blue green waters of Chenab, that course through the gorge, like adrenalin in your veins. Flanked by high mountain peaks, the Chenab Bridge stands 359 meters above mean sea level, dwarfing the Eiffel Tower by 35 meters, and the Qutub Minar five times over! With its head in the clouds and feet firmly anchored in football field size foundations, it is built to withstand windspeeds up to 266 kilometres per hour. Equipped with state of the art monitors and maintenance machinery, the Chenab Bridge will ensure an all season, seamless rail connectivity to Kashmir through the Udhampur – Srinagar – Baramulla Rail Link (USBRL) which has a length of 272km. As the country awaits the first commercial run of the newest Vande Bharat train between Katra and Srinagar, the journey promises to be more than just a passage. The route traverses some of the most picturesque and challenging geographies in the world. Recognised as a highly complex construction project, the USBRL comes at an estimated cost of ₹37,000 crore, with ballast-less tracks laid over bridges and tunnels, spanning deep gorges and piercing the heart of mighty mountains. More than ninety percent of the route is traversed over 943 bridges and 36 main tunnels, including India's longest railway tunnel, the T-50, stretching for more than 12.7 kilometres. On the Katra - Banihal section of USBRL, lies the Anji Khad Bridge, the country's first cable-stayed rail bridge. The 725 meter long bridge, built with the support of 96 cables, stands 331 meters above mean sea level, and is a masterclass in design and engineering. Beyond the engineering marvel, the rail link also promises to boost tourism, trade, and all weather connectivity in the region, potentially transforming the socio-economic landscape of Jammu and Kashmir. The project is home to several railway stations that are key to the progress, security, and prosperity of Jammu and Kashmir. Qazigund, known as the 'gateway of Kashmir,' serves as a vital connection bet-ween South Kashmir and the rest of the region. Stations like Pampore, Srinagar, Sopore, and Anantnag are central to the valley's economic activity, serving as major business hubs. Additionally, the significance of Reasi and Katra stations lies in their proximity to the renowned Mata Vaishno Devi temple, making them crucial for both spiritual and economic growth. The state-of-the-art Vande Bharat Express has been tailored to specifically operate in the region's challenging winter conditions with a view to ensuring reliability, safety and comfort. Apart from its modern amenities, the Kashmir version of Vande Bharat is equipped with climate-specific adaptations to provide world-class travel experience. Its Advanced Heating Systems promise smooth operations even in sub-zero temperatures. The Driver's front lookout glass has also been embedded with heating elements for defrosting, ensuring clear visibility even in harsh winter conditions. Pir Panjal, the sentinel of Kashmir valley, awaits the reassuring rhythm of train wheels chugging through the Banihal Tunnel, bringing alive in their wake, our long cherished dream of seamless connectivity, from 'Kashmir to Kanniyakumari', India has always been one. The newest rail link only deepens that centuries old connection, with the added promise of making Kashmir accessible to all!

By- Smt. Jaya Varma Sinha

DELHI METRO TO PRIORITIZE STUDENTS IN FRISKING & TICKETING DURING CBSE BOARD EXAMS 2025

Source/DMRC- With the CBSE Board Examinations 2025 for Classes X and XII scheduled from February 15 to April 4, 2025, the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) has introduced a series of measures to ensure smooth and hassle-free travel for students appearing for the exams. As approximately 3.30 lakh students and thousands of school staff will be commuting across the city, DMRC in partnership with CISF is implementing special facilitation measures at metro stations to accommodate the increased footfall on examination days.

Student-Friendly Measures at Metro Stations:

- Students carrying their CBSE Admit Cards will be given priority during security checks at metro stations.
- Students showing their Admit Cards will also be prioritized while purchasing tickets at Ticket Office Machines (TOM) and Customer Care (CC) centers.
- DMRC staff visited schools, interacted with principals, and informed them about the nearest metro stations and the support available for students.
- DMRC has requested schools to display posters providing details of the nearest metro station along with a QR code for easy ticket booking to assist students in planning their travel.
- Special centralized announcements will be made at metro stations.
- A detailed list of metro stations closest to examination centers has also been uploaded on the DMRC website and official mobile application for easy reference.

For more updates, candidates may visit DMRC official website (www.delhimetrorail.com) and DMRC Momentum दिल्ली सारथी 2.0 mobile app.

Southern Railway Commemorates 100 Years of Electrification in India Railways

Source/SR- In 2025, India celebrates a monumental milestone—100 years of electrification on Indian Railways. This transformation, initiated on February 3, 1925, when the first electric train ran between Victoria Terminus (now Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus) and Kurla, marked the shift from steam to electric traction. It revolutionized the railway system, enhancing efficiency, sustainability, and economic growth. Southern Railway, a key player in this journey, commemorates this achievement with several events. The first electrified section in the zone, between Madras Beach and Tambaram, was commissioned in 1931, using a 1.5 kV DC system. Today, Southern Railway boasts 96% electrification of its 5,093 route kilometers, exemplifying Indian Railways' Mission 100% electrification. To honor this century-long achievement, Southern Railway organized an exhibition at Rail House, Nungambakkam, inaugurated on February 1, 2025, by Shri R. N. Singh, General Manager of Southern Railway. The exhibition, open until February 3, highlights the evolution of electric traction with archival photographs, vintage equipment, and modern gadgets, while focusing on innovations like electric loco development, overhead equipment, and renewable energy integration. On February 3, 2025, Southern Railway held a Walkathon, which will be followed by a seminar on February 5, discussing advancements in electric traction and green energy integration. Throughout the month, various activities, including rallies, thematic displays, and competitions, will engage the public, employees, and rail users, spreading awareness of this historic event. This month-long celebration underscores the role of electric traction in shaping India's sustainable transportation future.

WR'S RAILWAY PROTECTION FORCE RETURNS LEFT-BEHIND BAG WITH VALUABLES

Valuables worth approx. 16 lakhs found & handed over to rightful owner

Source/WR-Western Railway's Railway Protection Force (RPF) personnel made a significant recovery at Bandra Terminus on 16th February 2025. A left-behind bag containing valuables was found and, after due verification, was returned to its rightful owner. On-duty Sub Inspector Shri Yogesh Kumar Jani and Constable Shri Hanuman Prasad Chaudhary found an unattended bag under the seat of an AC coach in Train No. 12479, Jodhpur–Bandra Terminus Suryanagari Superfast Express. According to a press release issued by the Chief Public Relations Officer of Western Railway, Shri Vineet Abhishek, the unattended bag was brought to the RPF post and opened in the presence of other staff, revealing a mobile phone, clothes, and a polythene bag containing valuable jewelry. The RPF personnel documented the contents of the bag and informed the concerned RPF officials at Bandra Terminus. A person, Shri Shailesh Ganesh Mali, a resident of Colaba, came inquiring about his lost bag. He provided his travel details, stating that he had traveled from Jodhpur to Bandra Terminus in Train No. 12479 along with his two children and multiple bags. He realized one of his bags was missing after reaching home and contacted 139 to report the missing bag. The passenger, Shri Shailesh Ganesh Mali, identified his bag, which was opened and inspected in his presence, revealing valuable items including a mobile phone, children's clothes, and gold jewelry (Mangalsutra, bangles, armlets, earrings, ring, and nose pin) worth a total of Rs. 15.83 lakhs. The bag and all items were safely returned to Mali, who expressed heartfelt gratitude to the RPF at Bandra Terminus and the helpline for their exceptional service.

Shri Arun Kumar Jain, General Manager, SCR Conducts Inspection of Akola-Parli Section on Nanded Division

Source/SCR- Shri Arun Kumar Jain, General Manager of South Central Railway, conducted an inspection of the Akola-Parli section on the Nanded Division on 5th February 2025. He was accompanied by Ms. Neeti Sarkar, Divisional Railway Manager of Nanded Division, and other senior officials from Headquarters and the Division throughout the inspection. Shri Jain started the inspection at Akola Railway Station, where he reviewed the Station Master's room, Foot Over Bridge, and the Running Room. He conducted a detailed inspection of the station and assessed the available passenger amenities. Several public representatives met the General Manager and submitted their representations. Later, he conducted a rear window safety inspection of the Akola-Washim section, inspecting a Level Crossing Gate between Akola and Washim. He also checked the safety number exchange register and emergency equipment. Next, the General Manager proceeded to Washim Railway Station, where he inspected the circulating area, the Station Master's office, and the passenger amenities on the platforms and station premises. He also reviewed the food stalls on the platform, checking the rates and quality of food items available. On his way to Hingoli, Shri Jain inspected a Major Steel Girder Bridge over the Chandrabhaga River. He then conducted a detailed inspection of Hingoli Railway Station, reviewing the station premises and passenger amenities. During the inspection, several public representatives submitted requests regarding passenger amenities, the introduction of new trains, and the provision of halts. The General Manager also interacted with media personnel, briefing them on the development plans underway by SCR. The inspection continued at Purna Railway Station, where Shri Jain reviewed the station's circulating area, the Station Master's office, and passenger amenities. He also assessed the progress of the redevelopment work under the Amrit Bharat Station Scheme. Finally, the General Manager inspected Parli Railway Station, reviewing the station's facilities and ongoing developmental works.

Texmaco Partners with Trinity Rail to Boost Global Rail Technology

Source/RSB- Texmaco Rail & Engineering Ltd has entered into a strategic global supply and services agreement with U.S.-based Trinity Rail Group LLC to enhance rolling stock manufacturing and technology integration worldwide. Under this partnership, Texmaco will supply rolling stock components, including foundry products, for North America and international markets, while Trinity will bring advanced technology solutions to co-develop high-payload rolling stock for Indian Railways and global clients. A key milestone in this collaboration is the establishment of a Global Capability Centre (GCC) in Faridabad, which will serve as an innovation hub for advanced rail technology. Both companies will also explore new business opportunities beyond India and North America, focusing on next-generation freight car designs to meet evolving industry

HBL Engineering & Shivakriti Consortium Secure ₹410 Crore Kavach Contract for Western Railway

Source/RSB- Ahmedabad: HBL Engineering Limited and Shivakriti Consortium have been awarded a ₹410.42 crore contract by the Ahmedabad Division of Western Railway for the installation of wayside Kavach on the Ahmedabad-Palanpur and Ahmedabad-Samakhiyali sections. Spa-nning 402 km, this project aims to bolster railway safety by deploying Kavach, India's indigenous Train Collision Avoidance System. The contract mandates completion within 730 days, marking a significant step in enhancing operational security on these vital railway routes.

Jupiter Wagons Secures ₹600 Crore Order from Ambuja Cement & ACC

Source/RSB- Jupiter Wagons Ltd. (JWL) has bagged a substantial ₹600 crore order from Ambuja Cement and ACC Limited, both subsidiaries of Adani Cement, for the manufacturing and supply of BCFCM rakes. This deal reaffirms JWL's leadership in mobility solutions, enhancing its contribution to sustainable and efficient freight transportation in India.Jupiter Wagons is a key player in railway wagon manufacturing, specializing in wagon components, castings, metal fabrication, and rail freight solutions. The company operates manufacturing units in Hooghly (West Bengal), Jabalpur and Indore (Madhya Pradesh), and Jamshedpur (Jharkhand), catering to the growing demand for rail-based logistics solutions in the country.

The National Rail Museum in New Delhi marked its 48th anniversary

Source/NR- The National Rail Museum in New Delhi marked its 48th anniversary on 01st Feb, 2025 with the grand inauguration of the Rail Mahotsav 2025, a three-day celebration on 1st, 2nd, and 4th February. The event was designed to honor India's rich railway heritage and bring together art, culture, and community. The Mahotsav was inaugurated by Ms. Aruna Nair, Secretary, Railway Board, in the presence of Ms. Ashima Mehrotra, ED/Heritage, Railway Board, and Shri Dinesh Kumar Goyal, Director/NRM, followed by captivating cultural performances that won the hearts of railway enthusiasts and visitors alike. A highlight of the celebration was the lighting up of the century-old Patiala State Monorail Tramways (PSMT), started in 1909. NRM is in proud possession of the only steam monorail locomotive and coach in working condition. The iconic Ramgoti steam locomotive, built in 1862, was also lit up, offering a glimpse into the nation's historic rail legacy. In addition to this, the Kiran Nadar Museum of Arts (KNMA) organized a series of engaging workshops aimed at connecting the public with the fascinating world of Indian Railways.

GM Central Railway Conducts Safety Inspection in Nagpur Division

Source/NR- Shri Dharam Veer Meena, General Manager, Central Railway, conducted a detailed safety inspection of the Ballarshah-Sewagram section on February 14, 2025. At Ballarshah, he inspected key facilities, including the Route Relay Interlocking (RRI) cabin, CCTV control room, crew lobby, PRS counters, Limited Height Subway, Goods Shed, and the Road Accident Relief Train. He also reviewed ongoing works under the Amrit Bharat Station Scheme and interacted with employees and freight customers. At Chandrapur, he inspected the station and met Shri Kishor Jorgewar, Hon'ble MLA, and Shri Sudhakar Adbale, Hon'ble MLC, to discuss railway-related concerns. Department-specific booklets were released to enhance staff knowledge. In the Bhandak-Majri section, he inspected Konda Bridge, Curve No. 01, and Level Crossing Gate No. 32. He also attended an exhibition on Ultrasonic Flaw Detection tools used for rail safety. Further inspections were conducted at Warora, Hinganghat, and Nagpur. At Warora, he visited the railway station, Health Unit, and Staff Colony, and met Shri Karan Sanjay Devtale, Hon'ble MLA. At Hinganghat, he inspected the Traction Sub Station and conducted a speed run test on the Hinganghat–Chitoda section. In Nagpur, he interacted with Branch Officers, emphasizing the need to triple efforts toward safety, maintenance, quality, and training (SMQT) as per the Railway Minister's directive. He also met union representatives and addressed media queries. Throughout the inspection, Shri Meena engaged with ground-level staff, stressing safe train operations and efficiency. Shri Vinayak Garg, DRM Nagpur, along with senior officials, accompanied him during the visit.

RORO services over Konkan Railway

Source/KR- Konkan Railway Corporation Limited (KRCL) introduced Roll On-Roll Off (RORO) services in 1999, revolutionizing truck movement. The services have run uninterrupted between Kolad and Surathkal stations for the past 25 years and will continue to be operated in the future. Since the outsourcing contract allotted to M/s. Anjana Trade and Agencies for marketing and operations of RORO services ended on 14/02/2025, truckers are requested to approach booking offices at Kolad and Surathkal stations for booking trucks for RORO services. The services will remain fully operational, providing a reliable and eco-friendly transport option to truckers. For more details on RORO services and rates, please visit www.konkanrailway.com.

महाकुम्भ 2025 के दौरान रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महाकुम्भ 2025 के दौरान निम्नलिखित रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है।

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	निर्धारित मार्ग	परिवर्तित मार्ग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
दिनांक 22.02.2025 (शनिवार) को प्रयागराज जं. पर आने वाली रेलगाड़ी				
12506	आनन्द विहार-कामाख्या	गाजियाबाद-प्रयागराज-पं. दीनदयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीनदयाल उपाध्याय	22.02.25
दिनांक 23.02.2025 (रविवार) को प्रयागराज जं. पर आने वाली रेलगाड़ियाँ				
15657	दिल्ली-कामाख्या	गाजियाबाद-प्रयागराज-पं. दीनदयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीनदयाल उपाध्याय	22.02.25
12506	आनन्द विहार-कामाख्या			23.02.25
दिनांक 24.02.2025 (सोमवार) को प्रयागराज जं. पर आने वाली रेलगाड़ियाँ				
15657	दिल्ली-कामाख्या	गाजियाबाद-प्रयागराज-पं. दीनदयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीनदयाल उपाध्याय	23.02.25
12506	आनन्द विहार-कामाख्या			24.02.25
दिनांक 25.02.2025 (मंगलवार) को प्रयागराज जं. पर आने वाली रेलगाड़ियाँ				
15657	दिल्ली-कामाख्या	गाजियाबाद-प्रयागराज-पं. दीनदयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीनदयाल उपाध्याय	24.02.25
12506	आनन्द विहार-कामाख्या			25.02.25
दिनांक 26.02.2025 (बुधवार) को प्रयागराज जं. पर आने वाली रेलगाड़ियाँ				
12669	पुरट्चि तलैवर डॉ. एम.जी. राम चंद्रन सेंट्रल-छपरा	इटारसी-मानिकपुर-प्रयागराज-वाराणसी	इटारसी- बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-वाराणसी	24.02.25
20933	उधना-दानापुर			25.02.25
11061	लोकमान्य तिलक (ट.)-जयनगर			25.02.25
12488	आनन्द विहार-जोगबनी	गाजियाबाद-प्रयागराज-पं. दीनदयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीनदयाल उपाध्याय	26.02.25
15484	दिल्ली-अलीपुरद्वार			26.02.25
15657	दिल्ली-कामाख्या			25.02.25
12506	आनन्द विहार-कामाख्या			26.02.25
15633	बीकानेर-गुवाहाटी	कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-पं. दीनदयाल उपाध्याय	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-वाराणसी-पं. दीनदयाल उपाध्याय	26.02.25
22670	पटना-एरणाकुलम	वाराणसी-प्रयागराज-मानिकपुर-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	25.02.25
11062	जयनगर-लोकमान्य तिलक (ट.)			25.02.25
22132	बनारस-पुणे	बनारस-प्रयागराज-मानिकपुर-इटारसी	बनारस-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	26.02.25
15483	अलीपुरद्वार-दिल्ली	पं. दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज-गाजियाबाद	पं. दीनदयाल उपाध्याय-लखनऊ-मुरादाबाद-गाजियाबाद	25.02.25
12487	जोगबनी-आनन्द विहार			25.02.25
12505	कामाख्या-आनन्द विहार			25.02.25
दिनांक 27.02.2025 (गुरुवार) को प्रयागराज जं. पर आने वाली रेलगाड़ियाँ				
22183	लोकमान्य तिलक (ट.)-अयोध्या कैंट	इटारसी-मानिकपुर-प्रयागराज-अयोध्या कैंट	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-अयोध्या कैंट	26.02.25
22450	नई दिल्ली-गुवाहाटी	गाजियाबाद-प्रयागराज-पं. दीनदयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीनदयाल उपाध्याय	26.02.25
12488	आनन्द विहार-जोगबनी			27.02.25
15484	दिल्ली-अलीपुरद्वार			27.02.25
11061	लोकमान्य तिलक (ट.)-जयनगर	इटारसी-मानिकपुर-प्रयागराज-वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई-झाँसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-वाराणसी	26.02.25
11033	पुणे-दरभंगा			26.02.25
15657	दिल्ली-कामाख्या	गाजियाबाद-प्रयागराज-पं. दीनदयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीनदयाल उपाध्याय	26.02.25
12670	छपरा-पुरट्चि तलैवर डॉ. एम.जी. राम चंद्रन सेंट्रल	वाराणसी-प्रयागराज-मानिकपुर-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना. लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	26.02.25
22184	अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक (ट.)	लखनऊ-प्रयागराज-मानिकपुर-इटारसी	लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	27.02.25
20934	दानापुर-उधना	वाराणसी-प्रयागराज-मानिकपुर-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	26.02.25
11062	जयनगर-लोकमान्य तिलक (ट.)			26.02.25
22614	अयोध्या कैंट-रामेश्वरम	अयोध्या कैंट-प्रयागराज-मानिकपुर-इटारसी	अयोध्या कैंट-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई-झाँसी-बीना-इटारसी	26.02.25
15559	दरभंगा-अहमदाबाद	वाराणसी-प्रयागराज-मानिकपुर-बीना-	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना	26.02.25
18609	राँची-लोकमान्य तिलक (ट.)	वाराणसी-प्रयागराज-मानिकपुर-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	26.02.25
15483	अलीपुरद्वार-दिल्ली	पं. दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज-गाजियाबाद	पं. दीनदयाल उपाध्याय-लखनऊ-मुरादाबाद-गाजियाबाद	26.02.25
12487	जोगबनी-आनन्द विहार			26.02.25
12505	कामाख्या-आनन्द विहार			26.02.25
18101	टाटानगर-जम्मू तवी	चुनार-प्रयागराज-गाजियाबाद	चुनार (रिवर्सल)-वाराणसी-लखनऊ-मुरादाबाद	26.02.25

नोट : रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं 139, एनटीईएस ऐप रेल मदद वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं० 1800 4199 139
उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in
356/25 FA